दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 95 अक्टूबर-नवम्बर 2013 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



शहीद साथियों को श्रद्धा सुमन...

336 उच्च शिक्षित युवक–युवतियॉं प्रशिक्षण के बाद दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल

19 नवम्बर, 2013 को पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कलां में आयोजित पासिंग आउट परेड़ आयोजित की गई जिसमें 7 सहायक उप–निरीक्षक (आशुलिपिक) और 329 प्रधान सिपाही (लिपिकीय वर्ग) ने शपथ लेकर दिल्ली पुलिस परिवार की पूर्णरूप से सदस्यता ग्रहण की। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने परेड की सलामी ली। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक वर्मा, श्री दीपक मिश्रा, श्री एस.एन.श्रीवास्तव, श्री टी.एन.मोहन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस. बी के सिंह, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री टी.एस.लूथरा, श्री संजय बेनीवाल, श्री रोबिन हिबू व श्री पी.के.मिश्रा के अलावा भारी संख्या में पुलिसकर्मी एवं प्रशिक्षणार्थियों के परिजन उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने प्रशिक्षणार्थियों का पुलिस परिवार में शामिल होने पर स्वागत करते हुए कहा कि सच्ची लगन, ईमानदारी और सेवा भावना से समर्पित होकर अपने दायित्व का निर्वाह करें। श्री बस्सी ने कहा कि आपने बहुत वर्षो तक पुलिस में प्रशासनिक सेवा करनी है और किसी भी संस्थान का प्रशासनिक ढ़ांचा मजबूत बनाने में लिपिक वर्ग का अहम योगदान होता है। दिल्ली में मजबूत कानून–व्यवस्था बनाए रखने, आंतकवादियों से लड़ने, महिलाओं और कमजोर वर्ग की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन करने में प्रत्येक पुलिसकर्मी का विशेष योगदान होता है। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन.श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों के सम्पूर्ण विकास पर विशेष जोर दिया गया है, जिसमें नोटिंग–ड्राफ्टिंग व कमांड़ों ट्रैनिंग भी शामिल हैं। इसके अलावा जी.एफ.आर, एफ.आर, एस.आर, सीसीएस कंडक्ट रूल, स्टैंडिंग ऑर्डर, सर्कुलर, लीव रूल, पेंशन रूल, डीपी एक्ट, कम्प्यूटर एपलीकेशन व इल्क्ट्रोनिक टाइपिंग जैसे प्रशासनिक विषयों के साथ–साथ भीड़ नियंत्रण करने व सुचारू यातायात संचालन का भी प्रशिक्षण दिया गया है।

पास–आउट होने वाले आशुलिपिकों और प्रधान सिपाहियों के इस बैच की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इस बैच में अधिकांश डिग्रीधारी, डिप्लोमाधारी, स्नातक एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवक/युवतियॉं शामिल हैं। जो दिल्ली पुलिस के प्रशासनिक ढ़ांचे को और ज्यादा मजबूत करने और उसमें सक्रियता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। पास–आउट होने वालों में 1 एमएससी, 12 एम.ए, 1 एम,कॉम, 2 एमबीए, 2 एमसीए, 4 बीटेक, 2 बीएड्, 2 बीपीएड्, 13 बीएससी, 36 बीकॉम, 5 बीबीए ,14बीसीए, 123बीए और 96 12वीं तक शिक्षा प्राप्त किये प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं। पुलिस परिवार में शामिल हुए इन प्रशिक्षाणार्थियों में दिल्ली से 169, हरियाणा से 79, उत्तर प्रदेश से 48, राजस्थान से 11, उतराखंड से 3 जबकि बिहार से 2 युवक/युवतियॉं शामिल हैं। परेड़ समाप्ति के बाद मुख्य अतिथि महोदय ने प्रशिक्षण के दौरान सर्वोतम प्रदर्शन करने और विभिन्न विषयों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को ट्राफी व प्रंशसा पत्र देकर सम्मानित किया। इनमें आशुलिपिक वर्ग के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी एएसआई पवन कुमार को कम्प्यूटर एपलीकेशन व कानून में तथा लिपिकीय वर्ग के सर्वश्रेष्ठ हैडकां0 अरविन्द को कम्प्यूटर एपलीकेशन में, तथा कानून में हैडकां0 रवि को और आउटडोर प्रशिक्षण में हैडकां0 मोहम्मद जावेद को ट्राफी व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।



परेड़ का निरीक्षण करते हुए मुख्य अतिथि श्री भीम सैन बस्सी



सलामी मंच से गुजरता हुआ महिला प्रशिक्षणार्थी दस्ता



पुरस्कार विजेता श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी



वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी

यातायात पुलिस की 24 अपग्रेडिड मोटरसाइकिलों को झंडी दिखाकर पुलिस मुख्यालय से रवाना किया गया





पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 20 नवम्बर, 2013 की पुलिस मुख्यालय प्रांगण से यातायात पुलिस की 24 मोडिफाइड मोटर साइकिलों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। 'चेज़ एंड चालान' योजना को और अधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित फिलहाल 24 मोटरसाइकिलों को सड़कों पर उतरा गया है। विशेषतौर पर डिज़ाइन की गई इन अपग्रेडिड मोटरसाइकिलों को सड़कों पर अलग पहचाना जा सकेगा ताकि सड़कों पर चलने वाला ट्रैफिक आपात स्थिति में ऐसी मोटरसाइकिलों को निकलने के लिए जगह दे सके। आगे–पीछे फ्लैसलाइट, प्रभावशाली ब्लिंकर्स, साइरन, वाइजर, हेलमेट में ही कार्डलैस माइक्रोफोन व लाउडहेलर तथा ई–चालान मशीनों की बैटरी चार्ज करने के लिए चार्जर भी लगाया गया है। आधुनिक उपकरणों से मोडिफाइड इन मोटरसाइकिलों से रात के समय यातायात पुलिस विजिबिलिटी बढ़ेगी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों विशेषकर रात्रि के समय यातायात नियम तोड़ने वाले ट्रक, बस व अन्य वाहन चालकों के खिलाफ त्वरित और मौके पर ही कार्रवाही हो सकेगी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के.सिंह, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अनिल शुक्ला** उपस्थित थे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर यातायात नियंत्रण करना बेहद चुनौती भरा काम होता है। इसीलिए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों में डर पैदा होना जरूरी है। विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन ने कहा कि वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति शिक्षित करने के लिए समय–समय पर जागरूक अभियान चलाये जाते रहे हैं। भविष्य में भी और ज्यादा मोटरसाइकिलों को मोडिफाइड किया जाएगा ताकि अलग पहचान वाली ये मोटरसाइकिलें सड़कों पर अधिक संख्या में दिखाई दें और दूर से ही पहचानी जा सके।

साइकिल सवारों को सड़क हादसों से बचाने के लिए एक लाख साइकिलों पर प्रतिबिम्बित पट्टी लगाने का यातायात पुलिस का प्रशंसनीय प्रयास शुरू



यातायात पुलिस व बजाज अलायंज कम्पनी ने साथ मिलकर साइकिल सवारों को सड़क हादसों से बचाने और उन्हें सावधानी बरतने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इंडिया गेट लॉन में 30 अक्तूबर, 2013 को एक अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का उद्देश्य लगभग एक लाख साइकिलों पर प्रतिबिम्बित पट्टी (Reflective tape) **लगाना है।**

सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान व अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने वाहन चालकों को जागरूक किया

28 नवम्बर, 2013 को मशहूर बॉलीवुड कलाकार श्री सैफ अली खान और सुश्री सोनाक्षी सिन्हा ने इंडिया गेट लॉन में दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात) श्री अनिल शुक्ला** के अलावा यातायात पुलिस के कर्मी भी उपस्थित थे। उन्होंने वाहन चालाकों को आहवान किया कि जीवन अमूल्य है। इसीलिए कोई भी दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें और सड़कों पर स्टंट करने से बचे। उन्होंने कहा कि फिल्मों में दिखाये जाने वाले स्टंटों का कभी भी अनुसरण नहीं करना चाहिए क्योंकि अभिनेताओं द्वारा किये गये जाने वाले स्टंटों के दौरान सुरक्षा मानकों के साथ–साथ स्टंट निदेशक भी उपस्थित थे। दोनों कलाकारों ने कार की सीट बेल्ट बांधने और सड़क पर सुरक्षित ढंग से चलने के तौर–तरीके अपनाने के लिए वाहन चालकों से अपील भी की। इस मौके पर यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को शिक्षित करने के उद्देश्य से एक मोबाइल प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।









फोटो : दोगुहर





गतवर्ष कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीद हुए साथियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये

21 अक्तूबर, 2013 की प्रातः किग्ज़वे कैम्प स्थित नई पुलिस लाइन मैदान में शोक परेड़ का आयोजन किया गया। जैसा कि आप सभी को विदित है कि हर वर्ष 21 अक्तूबर का दिन सभी अर्धसैनिक पुलिस संगठनों और पुलिस बलों में शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर उपस्थित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, भूतपूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जवानों ने अपने शहीद साथियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये, पुलिस बैंड ने शोक धुनें बजाई और शस्त्रधारियों ने अपने शस्त्र उलटे कर शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। शोक परेड की टोली ने ''शहीदी पुस्तिका'' को सम्मान के साथ मंच पर रखा। मंच पर उपस्थित पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने देश के अर्धसैनिक पुलिस संगठनों और पुलिस बलों के शहीद पुलिसकर्मियों की संख्या व नामों को उद्घोषित किया। इस अवसर पर आईबी निदेशक श्री एस.आसिफ इब्राहिम, विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक वर्मा, श्री दीपक मिश्रा, श्री एस.एन. श्रीवास्तव, श्री टी. एन. मोहन के अलावा भूतपूर्व पुलिस आयुक्तों, श्री सुभाष टंडन, श्री एम. बी. कौशल, श्री टी. आर कक्कड़, श्री नीरज कुमार, वर्तमान श्री डी. आर. कार्तिकेन (भूतपूर्व सीबीआई निदेशक), श्री आर. के. खंडेलवाल (भूतपूर्व महानिदेशक/ सीआईएसएफ) पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री.जी.एस.मंडेर, श्रीमती किरण बेदी, श्री आर.के. शर्मा, श्री प्रकाश सिंह, श्री वी.राजगोपाल, श्री आर.पी.सिंह, श्री सेवादास, श्री मैक्सवैल परेरा, डॉ0 आदित्य आर्या, श्री यू.एन.बी.राव,श्री दीपचंद व श्री गोपीराम गुप्ता ने शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीदी पुस्तिका पर दिल्ली पुलिस के पुलिस आयुक्त से लेकर जवान एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक सभी ने अपने दिवंगत साथियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

गतवर्ष 1 सितम्बर 2012 से लेकर अगस्त 2013 तक अर्धसैनिक पुलिस संगठनों एवं पुलिस बलों के कुल 576 अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने डयूटी के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देकर अपने अन्य साथियों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस वर्ष कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले अधिकारियों एवं जवानों की संख्या इस प्रकार है :–आन्ध्रा प्रदेश (01), असम (04), अडंमान निकोबार (02), छतीसगढ़ (37), गुजरात (13), चंडीगढ़ (01), हिमाचल प्रदेश (05), जम्मू एंड कश्मीर (13), हरियाणा (02), झारखंड (40), कर्नाटका (17), मध्य प्रदेश (07), मणिपुर (05), उड़ीसा (06), राजस्थान (02), उतर प्रदेश (117) पुद्वेचेरी (02), पंजाब (12) तमिलनाडू (03), उतराखंड (25), महाराष्ट्र (03), नागालैंड (05), पश्चिमी बंगाल (52), बीएसएफ (55), सीबीआई (01) सीआईएसएफ (13) ,सीआरपीएफ (45) आईटीबीपी (08), आरपीएफ (14), एसएसबी (08), एनडीआरएफ (10) एनसीबी (02) तथा दिल्ली पुलिस के 17 शहीद पुलिसकर्मियों में शामिल हैं। :– एसआई भारत भूषण, एएसआई सुबेसिंह, एएसआई जयभगवान, हैडकां0 रामकिशन, हैडकां0 रामशरण, कां बिजेन्द्र, कां0 रतनपाल, कां0 भूषण आर्य, कां0 सुभाषचंद तोमर, कां0 राजेश कुमार, हैडकां0 ओमप्रकाश, कां0 नोखंदे बबन दशरथ, कां0 सुभाष चंद, कां0 अरूण कुमार, कां0 हरपाल सिंह, कां0 नरेन्द्र सिंह तथा कां0 जयपाल देशवाल।

स्मरण दिलाया जाता है कि 21 अक्तूबर, 1959 को भारतीय पुलिस बल की एक टुकड़ी लद्दाख क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा के लिए तैनात की गई थी। वही एक पहाड़ी पर छिपे चीनी सैनिकों ने घात लगाकर भारतीय टुकड़ी पर हमला कर दिया। छद्म रूप से किये गये उस हमले में सीआरपीएफ के 10 जवान मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गये थे। तब से ही यह दिन सभी केन्द्रिय पुलिस संगठनों और पुलिस बलों में शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है और अपने उन अनगिनत शहीद साथियों का स्मरण करते हैं।

गतवर्ष कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्यौछावर करने वाले दिल्ली पुलिस के 17 दिवंगत पुलिसकर्मी


एएसआई जय भगवान


है.कां. रामकिशन


कां. बिजेन्द्र


कां. रतन पाल


एएसआई सूबे सिंह


कां. भूषण आर्य


कां. सुभाष चन्द


कां. राजेश कुमार


है.कां. ओम प्रकाश


कां. नोखण्डे भान दशरथ


एसआई भारत भूषण


कां. सुभाष चन्द्र


है.कां. रामशरण


कां. अरूण कुमार


कां. हरपाल सिंह


कां. नरेन्द्र सिंह


कां. जयपाल देशवाल

सितम्बर माह के 16 सर्वश्रेष्ठ हैडकां0 व कांस्टेबलों को असाधारण कार्य पुरस्कार एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया

पुलिस मुख्यालय द्वारा 13 नवम्बर, 2013 को जारी आदेशानुसार 16 हैडकां0 व कांस्टेबलों को असाधारण कार्य पुरस्कार एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है। **विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री दीपक मिश्रा** की अध्यक्षता में गठित ''चयन समिति'' ने अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित, जुझारू और विभिन्न मौकों पर अदम्य साहस का परिचय देने वाले अधोलिखित पुलिसकर्मियों का चयन किया था। जिन्हें **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** द्वारा प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। **सम्मानित होने वाले पुलिसकर्मियों में शामिल हैं:– कां0 साजिद खान** (थाना नंद नगरी राशि 15 हजार रूपये), **कां0 प्रवीण कुमार** (थाना विवेक विहार राशि 6 हजार रूपये), **हैडकां0 अशोक कुमार** (थाना महरौली राशि 6 हजार रूपये), **हैडकां0 दयाकिशन** (थाना बदरपुर राशि 5 हजार रूपये), **कां0 प्रेमवीर सिंह** (थाना कीर्ति नगर राशि 5 हजार रूपये), **हैडकां0 राजकुमार** (थाना नारायणा राशि 6 हजार रूपये), **हैडकां0 अनिल कुमार** (महेन्द्रा पार्क राशि 6 हजार रूपये), **कां0 मंजीत सिंह** (थाना के. एन.काटजू मार्ग राशि 4 हजार रूपये), **हैडकां0 जोगेन्द्र सिह** (थाना रंजीत नगर राशि साढ़े पांच हजार), **कां0 जतिन सिंह** (थाना सराय रोहिल्ला, राशि 7 हजार रूपये), **हैडकां0 बेगराज** (थाना कनाट प्लेस राशि साढ़े पांच हजार रूपये), **हैडकां0 अब्दुल गफ्फार** (थाना सीमपुरी यातायात सर्कल राशि 5 हजार रूपये), **हैडकां0 सागर चंद, कां0 सोमवीर व कां0** (चालक) **पवन** (पीसीआर वेस्ट जोन, प्रत्येक को राशि 7 हजार रूपये), **कां0 बलराज सिंह** (थाना आनन्द विहार रेलवे स्टेशन राशि 5 हजार रूपये)।

विश्व पुलिस स्टेशन आगंतुक सप्ताह सम्पन्न

दिल्ली पुलिस व एलटस ग्लोबल एलायंस ने साथ मिलकर 4 से 9 नवम्बर, 2013 क बीच ''विश्व पुलिस स्टेशन आगंतुक सप्ताह' मनाया। विश्व पुलिस स्टेशन आगंतुक सप्ताह के दौरान 20 से ज्यादा देशों के पुलिस स्टेशनों में आम नागरिकों को आमंत्रित कर पुलिस कार्यशैली के बारे में जानकारी हासिल की जाती है और पुलिस द्वारा की जा रही सार्वजनिक सेवा का निर्धारण करने का प्रयास किया जाता है। पुलिस अपने स्थानीय नागरिकों के माध्यम से पुलिस के काम–काज का आकलन के अलावा उनके महत्वपूर्ण सुझाव एवं विचार मांगती है। इस वर्ष **संयुक्त पुलिस आयुक्त (सतर्कता) श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा** के दिशा–निर्देशन में दिल्ली के 45 प्रमुख पुलिस स्टेशनों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है। जिसमें नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने निकट के किसी भी पुलिस स्टेशन में जाए और वहॉ कार्यशैली व गतिविधियों को समझे। इसी कार्यक्रम के तहत सभी चुनिंदा 45 थाने में प्रश्नावली भी रखी गई जिसमें आगंतुक अपने विचार या सुझाव भर कर दे सकता है और जनकल्याण संबंधी किसी योजना के बारे में विचार रख सकता था। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य लोगों में जागरूकता लाना और पुलिस व जनता के बीच की दूरी को कम करना है। जनहित में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम की प्रश्नावली की प्रतिपुष्टि जमा कराने के लिए किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं था।

हमारी आचार संहिता

हमें यह बात जान लेनी चाहिए कि हमारे कार्य की सफलता जनता से तुरंत सहयोग मिलने पर ज्यादा निर्भर करती है। जनता का सहयोग उनका विश्वास जीतने की हमारी क्षमता तथा अपने कार्यो के प्रति उनका समर्थन जुटा पाने की योग्यता पर निर्भर करता हैं।

अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक में पड़ोसी राज्यों के शीर्ष पुलिस अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श



9 अक्तूबर, 2013 को पुलिस मुख्यालय स्थित कॉफ्रेंस हॉल में अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। जिसमें दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा पड़ोसी राज्यों के शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने भी भाग लिया। जिसमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब व चंडीगढ़ के पुलिस अधिकारी मौजूद थे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि दिल्ली में आगामी चुनावों को देखते हुए दिल्ली पुलिस व पड़ोसी राज्यों की पुलिस को परस्पर सहयोग व खुफिया सूचनाओं का आदान–प्रदान करने के लिए बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। श्री बस्सी ने जोर दिया कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं के साथ बाउंसरों के घूमने–फिरने पर पूर्णतः रोक होनी चाहिए। दिल्ली से सटे राज्यों से अवैध शराब व अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के लिए विशेष कदम उठाने के साथ–साथ संयुक्त चैकिंग भी चलाई जानी चाहिए। अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखनी चाहिए ताकि दिल्ली में चुनाव प्रक्रिया पूर्णतयाः शांतिपूर्वक सम्पन्न कराये जा सके।

पुलिस का मददगार कुलदीप शर्मा पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



28 अक्तूबर, 2013 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने पुलिस मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में श्री कुलदीप शर्मा को 25 हजार रूपये नकद व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। 23 सितम्बर, 2013 को 4 हथियारबंद बदमाशों ने कमला नगर इलाके में लूटपाट की वारदात को अंजाम देते समय भय बनाने के उद्देश्य से 6 रांउड फायर भी किये। मजबूत कद–काठी के श्री कुलदीप शर्मा एक जिम्मेवार शहरी का दायित्व निभाते हुए बदमाशों को रोकने के प्रयास में उनसे भिड़ गये। पहले भी कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे बदमाशों ने मौके से भागने का प्रयास किया। परन्तु बहादुर श्री कुलदीप शर्मा ने एक बदमाश को मौके पर दबोच लिया। इसी बीच मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर अशोक कुमार, एसआई रविन्द्र, एसआई प्रवीण, एसआई धमेन्द्र व एसआई रूपेन्द्र की टीम मौके पर पहुँची और मात्र 5/6 घंटे के अंदर ही फरार हुए 3 अन्य बदमाशों को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

फ्रांसीसी प्रतिनिधि मंडल का पुलिस मुख्यालय दौरा, महिलाओं की सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण नीति पर विचार-विमर्श



फ्रांस की मिनिस्टर ऑफ वूमेंस डिवलेपमेंट सुश्री नजात वैला बेलकैसेम एवं फ्रांस के राजदूत फ्रौस्वॉ दीसीये के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने 24 अक्तूबर, 2013 को पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से मुलाकात कर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की नियंत्रित करने संबंधी नीति पर विचार–विमर्श किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, श्री दीपक मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री एस.एन.श्री वास्तव, श्री एस. नित्यानंदम, श्री टी.एन. मोहन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, श्री एस.के.गौतम, उपायुक्त पुलिस श्रीमती सिंधू पिल्लैई, श्रीमती सुमन नलवा, श्रीमती वर्षा शर्मा, श्री राजन भगत, श्री जगजीत सिंह देशवाल उपस्थित थे। इस अवसर पर सुश्री बेलकैसेम ने कहा कि फ्रांस में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों पर काबू पाने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके प्रति होने वाले अपराधों को नियंत्रित करने के लिए उठाये गये कदमों का अध्ययन किया जाएगा। विचार–विमर्श के दौरान महिलाओं के प्रति होने वाली घरेलू हिंसा, बलात्कार व छेड़छाड़ जैसे मामलों से निपटने में उठाये गये कदमों के बारे परस्पर चर्चा हुई। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रतिनिधि मंडल को परिचर्चा के दौरान बताया कि दिल्ली शहर में रात्रि गश्त, आत्मरक्षा संबंधी निशुल्क प्रशिक्षण, हर थाने में महिला डेस्क की स्थापना, विशेष हैल्प लाइन की शुरूआत, पीड़ित महिलाओं के साथ परामर्शदाताओं के साथ महिला पुलिस अफ़सर द्वारा सात्वंना देना और पूछताछ करना, नए नियम, विशेष अदालतों के गठन, विशेष स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों द्वारा गश्त करना, बिना किसी देरी के पीड़ित महिला की शिकायत पर किसी भी थाने में तत्काल मामला दर्ज करने की सुविधा, एवं विशेष जागरूक अभियान चलाने जैसे सार्थक कदम उठाये गये हैं। परिचर्चा के उपरांत पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने फ्रांसीसी प्रतिमंडल को पुलिस स्मृति चिन्ह भेंट किया।



फोटो : शेखर

पुलिस आयुक्त का आभार जताया

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरी दिल्ली में आयोजित हुई हज़ारों छोटी–बड़ी रामलीलाओं के शांतिपूर्ण मंचन होने, दशहरा व ईद जैसे बड़ो पर्वो का शांतिपूवर्क एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न होने में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अथक परिश्रम और निष्ठा के साथ अपने दायित्व को अंजाम दिया है। जिसकी चहुँ ओर सराहना भी हुई है। पिछलों दिनों दिल्ली में नवरात्रें, रामलीला, दशहरा व ईद जैसे पर्वो का सफलतापूर्वक समापन कराना पुलिस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। दिल्ली पुलिस ने इस चुनौती को जिस कुशलता से निभाया है उसकी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने ही अपितु आम जनता ने भी सराहना की है। इन दिनों स्थानीय पुलिस के अलावा यातायात पुलिस के कर्मियों ने भी अपने दायित्व को बखूबी निभाया। 14 अक्तूबर, 2013 को **श्री रामलीला महासंघ** के पदाधिकारियों ने **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** से मिलकर उन्हें बधाई दी और दिल्ली पुलिसकर्मियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने श्री बस्सी को एक गदा भेंट कर उनका सम्मान भी किया।

पीसीआर कर्मियों की मुस्तैदी और सूझबूझ से एक बड़ा रेल हादसा होने से टला



एएसआई जगन्नाथ



है.कां. विक्रम सिंह

प्राथमिक पुस्तकों में पढ़ा था कि कैसे एक बहादुर बच्चे ने रेल की पटरी उखड़ी हुई देख कर अपनी लाल शर्ट उतारी और विपरीत दिशा में दौडते हुए रेल चालक को किसी अनहोनी का सफल संकेत दिया था। शायद उसी दृष्टांत को दोहराया है पीसीआर की जेबरा–61 वैन पर तैनात **एएसआई जगन्नाथ और हैडकां0 विक्रम सिंह** ने। 18 नवम्बर की सुबह किसी अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष में सूचना दी कि नारायणा विहार इलाके में रेलवे ट्रैक टूटा हुआ है। पीसीआर के इंजार्च इंस्पेक्टर श्री कृष्ण ने इसकी जानकारी जेबरा–61 वैन पर तैनात एएसआई जगन्नाथ व है.कां. विक्रम सिंह को दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने देखा कि रेलवे ट्रैक टूटा पड़ा है और उसी ट्रैक पर बरेली से रेवाडी जाने वाली यात्री गाड़ी आने वाली है। दोनों पुलिसकर्मियों ने सर्वप्रथम इसकी जानकारी फाटक पर मौजूद रेलवे कर्मियों को दी और हैडकां0 विक्रम सिंह ने मौके पर पहुंचे एक लाइनमैन की लाल शर्ट उतार कर लहराते हुए रेलगाड़ी की तरफ भागने लगा। काफी दूर जाने पर रेल चालक ने किसी गडबड़ी का अहसास होने पर रेल को रोक दिया। कुछ ही देर में वहॉ से रोहिल्ला–पोरबंदर एक्सप्रैस रेलगाड़ी गुजरने वाली थी जिसे समय पर सूचना देकर रोक दिया गया। लगभग एक घंटे की मरम्मत के बाद पुनः आवागमन शुरू हो सका। रेलवे अधिकारियों के अलावा मौके पर पहुंचे सैकड़ों लोगों ने पुलिसकर्मियों की सूझबूझ की तारीफ की। संबंधित पीसीआर कर्मियों को समुचित पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की संस्तुति की जा रही है।

पीसीआर वैन पर तैनात तीन पुलिसकर्मी असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने अपने ड्यूटी को पूरी जिम्मेवारी, संवेदनशीलता और सूझबूझ के साथ निष्पादित करने वाले पीसीआर की लिब्रा –27 वैन पर तैनात **हैडकां0 लक्ष्मण, कां0 अमनदीप तथा कां0 (चा0) हर्ष** को असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित किया है। 9 अक्तूबर, 2013 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार तीनों पुलिसकर्मियों को 10–10 हजार रूपये नकद व प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

दिल्ली पुलिस एवं नागरिक सुरक्षा समिति द्वारा ईद मिलन एवं कौमी एकता कार्यक्रम आयोजित



हजरत निजामुद्दीन इलाके में दिल्ली पुलिस एवं नागरिक सुरक्षा समिति ने मिलकर ईद मिलन और कौमी एकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री विवेक गोगिया** ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समिति एवं दिल्ली पुलिस के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। इस मौके पर मुशायरे और परम्परागत सूफी संगीत का आनंद उठाते हुए उपस्थित जनसमूह ने दिल्ली पुलिस के इस प्रयास की सराहना की।

आपसी (पड़ोसी) रखवाली योजना (Neighbourhood Watch Scheme)



पिछले दिनों दिल्ली पुलिस के कई जिलों में पड़ोसी रखवाली योजना (Neighbourhood Watch Scheme) को पुनः क्रियान्वित किया है। इस योजना का मूल उद्देश्य से स्थानीय नागरिकों को परस्पर जोड़कर पुलिस द्वारा की जा रही सुरक्षा–व्यवस्था में शामिल करना है। क्योंकि जब तक आम लोगों का सहयोग, जानकारी व प्रोत्साहन पुलिस को नहीं मिलेगा तब तक समाज में अपराधों पर अकुंश लगाना केवल पुलिस के लिए असंभव होगा। लोगों को जागरूक कर उन्हें **पड़ोसी निगरानी योजना** के महत्व और जरूरत के बारे में बताया गया। इसी क्रम में 7 नवम्बर, 2103 को **संयुक्त पुलिस आयुक्त (उत्तरी परिक्षेत्र) श्री आर.एस.कृष्णैया** ने बाहरी जिला पीतमपुरा इलाके में आपसी रखवाली योजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त **आयुक्त पुलिस श्री संजय कुमार, अति0उपा0पुलिस श्री एम,ए रिजवी, बाहरी जिला के थानाध्यक्ष,** व क्षेत्रीय आवास कल्याण समितियों के पदाधिकारी सहित भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। इस मौके पर एक कमेठी का भी गठन किया गया। जिसके पदाधिकारियों को पुलिस एक विशेष पहचान पत्र देगी जो कॉलोनी में आने वाले वेंडरों, अनजान लोगों के साथ–साथ संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखेंगे। बीट एवं डिविजन अफसर ऐसे पदाधिकारियों के सम्पर्क में भी रहेंगे।

अच्छी तफ्तीश

मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित द्वारा अपराध शाखा की पुलिस टीम सम्मानित



4 अक्तूबर, 2013 को दिल्ली की मुख्यमंत्री श्री शीला दीक्षित ने अपराध शाखा की एक टीम को अपने निवास पर बुलाकर उन्हें सम्मानित किया। ''उदय'' नामक एक गैर–सरकारी संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपायुक्त पुलिस (अपराध) श्री भीष्म सिंह, दिल्ली जल–बोर्ड के वाइस–चेयरमैन व एम.एल.ए श्री मतीन अहमद व ''उदय'' नामक एक गैर–सरकारी संस्था के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। स्मरण दिलाया जाता है कि 19 अगस्त, 2013 को विवेक विहार फेज़–2 निवासी एक व्यवसायी श्री बजरंग लाल बकोड़ियॉ, उनके चालक विनोद दुबे, तथा दो नौकरों भोला सिंह व आनंद सिंह की गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज हत्याकांड को सुलझाने में अपराध शाखा की टीम ने हत्याकांड की मुख्य षड़यंत्रकारी सुन्दर नगरी, नंद नगरी निवासी मोना दुग्गल उसके भाईयों व परिचितों को गिरफ्तार कर शानदार तफ्तीश का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया था।

50 हजार का इनामी बदमाश इकबाल अपराध शाखा के के शिकंजे में, 20 से ज्यादा संगीन वारदातों में शामिल

अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह के नेतृत्व में एसीपी श्री एस. एस. गिल की टीम इंस्पेक्टर के.पी.सिंह, एसआई पी.सी.यादव ,एसआई रविन्द्र सिंह, हैडकां0 यतेन्द्र, राजीव मोहन, विकल सिंह, नरेन्द्र तथा कां0 रवि, अमरपाल, जावेद, रविन्द्र, बिजेन्द्र, नरेश व नित्यानंद ने 25 अक्तूबर, 2013 को एक गुप्त सूचना पर काम करते हुए मुर्गा मंडी से नोएड़ा, गाजियाबाद व दिल्ली में सनसनीखेज लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले कुख्यात बदमाश इकबाल उर्फ बाबू को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की है। इस संबंध में अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री रविन्द्र यादव ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस टीम एनसीआर में हुई डकैती व लूटपाट की 20 से ज्यादा संगीन एवं सनसनीखेज वारदातों को अंजाम देने वाले अलीगढ़ निवासी इस बदमाश के कब्जे से पुलिस ने .32 बोर की पिस्टल व 4 जिंदा कारतूस बरामद करने में भी कामयाबी मिली है। विभिन्न घृणित वारदातों में शामिल इस अभियुक्त को कई मामलों में घोषित अपराधी करार दिया हुआ है और उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रूप्ये का पुरस्कार भी घोषित किया हआ है। पूछताछ पर पता चला कि वर्ष 2007 में पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार हुआ यह बदमाश अप्रैल, 2013 को पांडव नगर इलाके में दिनदहाड़े हुई 35 लाख रूपये की सनसनीखेज लूटपाट की वारदात में शामिल था। वर्ष 2000 में थाना बन्नादेवी, अलीगढ़ में हुई डकैती की वारदात में पहली बार शामिल हुए इस बदमाश ने जेल से बाहर आने के बाद मुजफ्फरनगर, बुढ़ाना, शामली व कैराना इलाके के बदमाशों का एक गिरोह तैयार कर बेखौफ होकर आपराधिक वारदातों को अंजाम देने लगा था। इकबाल उर्फ बाबू नामक इस बदमाश को कई पुलिस टीमें तलाश कर रही थी।

दिल्ली पुलिस के कां0 नरेश कुमार के हत्यारोपी को अपराध शाखा टीम ने पश्चिमी बंगाल से धर दबोचा

अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह के नेतृत्व में एसीपी राजा राम की टीम इंस्पेक्टर सुनील कुमार, एसआई रविन्द्र तेवतिया, रविन्द्र वर्मा, एन.एस.राणा, हैडकां0 असलूप, राकेश कुमार, कां0 मोहित, मनोज व पवन ने मेवाती क्षेत्र के एक कुख्यात बदमाश जो दिल्ली पुलिस के एक कां0 नरेश कुमार की हत्या की वारदात में संलिप्त बद्दन उर्फ मन्नान नामक एक बदमाश को पश्चिमी बंगाल से गिरफ्तार करने में बेहतरीन कामयाबी हासिल की है। 30 अक्तूबर, 2013 को अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) श्री रविन्द्र यादव ने संवाददाताओं को बताया कि 17/18 मई, 2012 की रात मेवाती क्षेत्र के कुछ बदमाशों द्वारा पशु चुराने की वारदात को अंजाम देते समय पुलिस द्वारा पीछा किये जाने पर भारत नगर थाने में तैनात कां0 नरेश कुमार को अपने टाटा–407 टैम्पों से कुचल दिया था जबकि होमगार्ड के कां0 शंकर को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। अपराध शाखा की टीम ने उस घटना में शामिल कुछ बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया था परन्तु गांव धाजू, फरीदाबाद, मेवात का रहने वाला बद्दन उर्फ मन्नान नामक फरार बदमाश छिपकर अपने परिवार सहित 24 परगना, पश्चिमी बंगाल में रह रहा था। उस समय कई वारदातों में शामिल रहे मेवाती गिरोह के सरगना शाकिर की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने एक लाख रूपये के पुरस्कार की घोषणा की थी। जिसे बाद में अपराध शाखा की टीम गिरफ्तार करने सफल रही थी। पुलिस टीम को जानकारी मिली थी उक्त घटना में शामिल एक बदमाश पश्चिमी बंगाल में कहीं छुपकर रह रहा है। पुलिस टीम के सदस्य अपनी पेशेवर निपुणता, निरंतर निगरानी और सम्पर्क सूत्रों की मदद से इस भगोड़े बदमाश को दबोचने में सफल रही।

अच्छी कामयाबी

स्पेशल सेल को मिली बड़ी सफलता, तीन लाख के ईमानी बदमाश सुरेन्द्र मलिक उर्फ नीतू डाबौदिया को अन्य दो साथियों सहित मुठभेड़ में मारा गिराया



24 अक्तूबर, 2013 की शाम बसंत विहार इलाके में स्थित ग्रैंड होटल के निकट स्पेशल सेल की एक जांबाज पुलिस टीम ने एक अति वांछित और खूंखार बदमाश नीतू डाबौदिया को एक मुठभेड़ के दौरान उसके दो अन्य साथियों सहित मार गिराया। **विशेष पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) श्री एस.एन.श्रीवास्तव** ने 25 अक्तूबर को पुलिस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मलेन में संवाददाताओं को मुठभेड के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि उपायुक्त पुलिस श्री संजीव यादव के नेतृत्व में **एसीपी मनीषी चन्द्रा व इंस्पेक्टर ललित मोहन नेगी** सहित लगभग 25 जांबाज टीम के सदस्यों ने अत्याधिक सावधानी, कुशलतापूर्वक व उत्कृष्ठ सूझबूझ के साथ नीतू डाबौदिया को दबोचने का प्रयास किया था। परन्तु अति हिसंक प्रवृति के इस बदमाश ने अपने दो अन्य साथियों सहित पुलिस टीम पर अंधा–धुंध फायरिंग शुरू कर दी। चूंकि पुलिस टीम इस बदमाश के इतिहास से भली–भांति परिचित थी इसीलिए बुलेट प्रूफ जैकेट सहित निर्भिकता और सावधानी के साथ अपनी आत्मरक्षा करते हुए उसे ललकारा और आत्मसमर्पण करने को कहा। पुलिस टीम द्वारा अपनी आत्मरक्षा में चलाई गई गोलियों से आई–20 कार में सवार तीनों बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गये। तीनों घायलों को एम्स के ट्रामा केन्द्र ले जाया गया जहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया गया।

मुठभेड़ में मारे गये बदमाशों में नीतू डाबौदिया के अलावा कन्नौज, उत्तर प्रदेश का रहने वाला बदमाश आलोक गुप्ता व दिल्ली के मोहन गार्डन, उत्तम नगर का रहने वाला दीपक भी शामिल हैं। मूलरूप से हरियाणा के बहादुरगढ़ जिले में स्थित गांव डाबौदा के रहने वाला नीतू डाबौदा अपने अन्य साथियों की मदद से 2 अप्रैल, 2012 को दूसरे साथी बदमाश संदीप चिटानिया के साथ हरियाणा पुलिस की हिरासत से उस समय भाग निकला था जब हरियाणा पुलिस की टीम उसे साकेत अदालत में पेश करने के बाद द्वारका के रास्ते वापिस भोंडसी जेल ले जा रही थी। पुलिस हिरासत से फरार होने के बाद इस खूंखार बदमाश ने संदीप चिटानिया, विक्रम उर्फ पारस,(हरियाणा) अलोक गुप्ता (उ.प्र.),प्रदीप उर्फ भोला, बकरा व संदीप (दिल्ली) आदि के साथ मिलकर एक गिरोह बनाया और अपहरण, लूटपाट, छीनाझपटी की वारदातों को अंजाम देने लगा। इसी गिरोह ने 25/26 नवम्बर, 2012 की रात पिकट डयूटी करते समय इनकी गाड़ी रोके जाने पर थाना कंझावला में तैनात हैडकां0 रामकिशन की गोली मार कर हत्या कर दी थी। 18 फरवरी, 2013 को पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि अभियुक्त पंजाब में कहीं छिपा हुआ है। स्पेशल सेल की टीम ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर नीतू डाबौदा को उस समय पकड़ने का प्रयास किया था जब वह अपने अन्य साथियों के साथ एक इनोवा कार में जा रहा था। उस दौरान भी नीतू डाबौदा गोली लगने से घायल हो गया था परन्तु खेतों में खड़ी फसलों का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब हो गया था। जबकि उसका एक साथी दयानन्द उर्फ दीना को दबोचने में सफलता मिली थी। दिल्ली के बवाना, पश्चिम विहार, नरेला, सरिता विहार, कालकाजी व हरी नगर थानों में दर्ज हत्या, लूटपाट, मकोका व आबकारी के मामलों में शामिल नीतू बहादुरगढ़, सोनीपत, रोहतक, महेन्द्रगढ़, भिवानी, समालखा, चरखी दादरी, करनाल, गुडगांव, हिसार, आगरा व मथुरा इलाकों में हुई विभिन्न आपराधिक वारदातों में संलिप्त रहा था। दिल्ली व हरियाणा पुलिस द्वारा 3 लाख रूपये के इस ईनामी बदमाश के मारे जाने पर स्व0 हैडकां0 रामकिशन के परिजनों ने भी पुलिस कार्रवाही की प्रंशसा करते हुए इसे न्यायसंगत कहा है। पुलिस टीम ने मारे गये अभियुक्तों के कब्जे से वबले रिवाल्वर, एक पिस्टल, एक इटली निर्मित पिस्टल, एक आई–20 कार, एक एसएएफ कारबाइन जिसमें मैगजीन फिट थी और 7 कारतूस, कार में एक बैग जिसमें 18 जिंदा कारतूस बरामद करने में भी सफलता पायी। निर्भिकता, कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ठ सूझबूझ के साथ इस मुठभेड़ को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली पुलिस टीम के सभी पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के साहस एवं कर्तव्यपरायणता की सभी ने प्रंशसा की है। पुलिस टीम के सभी सदस्यों को पुरस्कृत किये जाने की संस्तुति की जा रही है।

एटीएम कैश वैन से 36 लाख की लूट का सरगना व 50 हजार का इनामी बदमाश हारूण पासा को विशेष प्रकोष्ठ टीम ने धर दबोचा

स्पेशल सेल के **एसीपी सतबीर सिंह** के नेतृत्व में **इंस्पेक्टर शिव कुमार** की टीम ने 8 नवम्बर, 2013 को आनन्द विहार, रेलवे स्टेशन से एक दर्जन भर आपराधिक वारदातों में संलिप्त बदमाश हारूण पासा उर्फ सलीम को गिरफतार करने में शानदार सफलता पायी है। इस संबंध में उपायुक्त पुलिस श्री संजीव यादव ने बताया कि 2 अगस्त, 2013 को मानसरोवर पार्क इलाके में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में पैसे डाल रही कैशवैन के कर्मियों को बधंक बनाकर बदमाशों ने 36 लाख रूपये लूट लिये थे। इस वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों को उत्तर–पूर्वी जिले के स्पेशल स्टाफ ने 30 अगस्त, 2013 को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि इस वारदात का मास्टर मांइड हारूण पासा फरार चल रहा था। स्पेशल सेल की टीम को गुप्त सूचना मिली थी उक्त लूटपाट का मास्टर मांइड हारूण आनन्द विहार इलाके में आएगा। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 50 हजार के इनामी बदमाश हारूण को दबोचते हुए उसके कब्जे से एक पिस्टल व 5 कारतूस बरामद करने में भी शानदार कामयाबी हासिल की।

अच्छी तफ्तीश

पूरे भारत में लगभग 24 लाख लोगों से 2200 करोड़ से ज्यादा की ठगी करने वाले महाठग को अपराध शाखा ने कनॉट प्लेस से गिरफ्तार करने में शानदार सफलता मिली

अपराध शाखा के **उपायुक्त पुलिस कुमार ज्ञानेश** के नेतृत्व में **एसीपी सुरेश कौशिक, इंस्पेक्टर संजीव कुमार, इंस्पेक्टर अशोक कुमार, एसआई विरेन्द्र सिंह, एसआई अशोक कुमार,एसआई चन्द्र प्रकाश, एसआई विवेक मंडोला, एसआई देवेन्द्र सिंह, हैडकां0 संजीव कुमार, हैडकां0 हरविन्द्र, हैडकां0 संजय, हैडकां0 रमेश, हैडकां0 प्रमोदकुमार, हैडकां देवेन्द्र शर्मा तथा कां0 राजेश, साजिद, लाल बहादुर, जामिल, सुरेन्द्र, रविन्द्र, पंकज तथा विपिन** की टीम ने 25 नवम्बर, 2013 को एक ऐसे महाठग राम सुमिरन पाल (37) को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता पाई है जिसनें देश के 24 लाख से ज्यादा लोगों को लभगग 2200 करोड़ रूपयों के चूना लगाया था। मूलरूप से शाहजहांपुर (यूपी) का रहने वाला राम सुमिरन पाल कई संदिग्ध कम्पनियों का निदेशक एवं संस्थापक है। अभियुक्त पाल ने स्पीक एशिया कंपनी नाम से एक जाली कंपनी खोल कर सर्वे के नाम पर लोगों से ठगी की। इस संबंध में **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) श्री रविन्द्र यादव** ने संवाददाताओं को बताया कि अभियुक्त लोगों को 11 हजार रूपये लेकर कंपनी का सदस्य बना कर उन्हें झांसा देता कि उन्हें सालभर बाद लगभग 52 हजार रूप्ये लौटा दिये जायेंगे। इसके अलावा मार्केटिंग कंपनियॉ एड मैटिक्स प्राइवेट लिमिटेड और सेवन किंग्स के जरिये भी लोगों के साथ ठगी की है। आरोपी मध्यमवर्गीय लोगों को सर्वे के जरिये आमदनी का झांसा देकर धोखाधड़ी करता था। कंपनी के सदस्य बने लोगों को एक लॉग इन और पासवर्ड देकर फर्जी सर्वे कराती थी। जिसका कोई इस्तेमाल भी नहीं किया जाता था। कंपनी एक सर्वे की एवज में लोगों को 4 हजार रूपये देने का वादा करती थी। इसके अलावा कंपनी में एक सदस्य के जोड़ने पर भी चार हजार रूपये देने का वायदा किया जाता था। जिसकी वजह से काफी तेजी से लोग कंपनी के साथ जुड़ते चले गये। इस महाठग राम सुमिरनपाल ने अपने भाई रामनिवास पाल तथा एक अन्य साथी मनोज कुमार के साथ मिलकर इस महाठगी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने इन कंपनियों को ब्राजील, सिंगापुर और इटली आदि कई देशों में रजिस्टर्ड करा रखा था। वर्तमान में देहारादून में छिपे हुए इस महाठग के खिलाफ मुंबई, आन्ध्र प्रदेश, हरियाण व मध्य प्रदेश में दर्ज 8 मामलों में वांछित था। मुबंई आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने भी मामले की जांच के दौरान पता चला था कि स्पीक एशिया नामक कंपनी नाम से लगभग 210 खाते खोले हुए थे। जिनके 142 करोड़ रूपये मुबंई आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने जब्त कर लिये थे। इन आरोपियों के खिलाफ देश के विभिन्न भागों में दर्जनों एफ.आई.आर दर्ज हैं। अपराध शाखा इस महाठग की गिरफ्तारी के बारे में उन राज्यों की पुलिस को भी सूचित करने जा रही है जिन राज्यों में अभियुक्तों के खिलाफ एफ. आई. आर. दर्ज हैं। बाद में टीम ने दूसरे फरार दो अभियुक्तों को भी गिरफतार करने में कामयाबी हासिल की। अपराध शाखा की इस बड़ी सफलता ने पुनः एक बार सिद्व किया है कि उनकी पेशेवर निपुणता व कर्तव्यनिष्ठा अनुकरणीय है।

दिल्ली में मकोका के तहत दर्ज मामले के अपराधी को पहली बार अदालत द्वारा सजा



एसीपी श्री चन्द्रकांत

वर्ष 1999 में महाराष्ट्र में शुरू हुए मकोका अधिनियम को जून 2002 से दिल्ली में भी क्रियान्वित किया गया। मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम अधिनियम) के तहत दिल्ली में कई मामले दर्ज हुए हैं। परन्तु उतर–पूर्वी जिला के थाना सीलमपुर में दर्ज प्रथम सूचना रिर्पोट सं0 18/09 धारा 3(2) व 4 के आरोपी अफ़जल पुत्र श्री इक़बाल गाजी निवासी न्यू सीलमपुर दिल्ली को माननीय अदालत द्वारा 10 वर्ष के कारावास व 9 लाख रूपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई गई है। **एसीपी श्री चन्द्रकांत** के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले के अभियुक्त बीएसपी पार्षद श्रीमती शकीला बेगम अफ़ज़ाल के पति अफ़ज़ाल द्वारा आपराधिक गतिविधियों द्वारा अर्जित सम्पति को पहचान कर उसे माननीय अदालत के समक्ष पुख्ता तरीके से प्रस्तुत करने में शानदार भूमिका अदा की।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ टीम को 1.90 करोड़ की धोखाधडी की वारदात को सुलझाने में मिली प्रशंसनीय कामयाबी

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की एंटी फ्रॉड एंड चीटिंग सेक्शन ने एक महिला के साथ हुई 1.90 करोड़ रूपये की वारदात सुझलाने में शानदार कामयाबी पायी है। सुश्री रेणु लालवानी नामक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने वर्ष 2008 में सर्वोदया एंकलेव, मालवीय नगर में स्थित अपनी एक सम्पति 3.46 करोड़ में बेची थी। जिसमें से उसने 1.25 करोड़ की एक सम्पति खरीदने के बाद बकाया राशि इलाहाबाद बैंक की अधचनी शाखा और एक्सिस बैंक की मालवीय नगर शाखा में जमा करा दी थी। कुछ दिन बाद बैंक से राशि निकालने के दौरान ज्ञात हुआ कि इलाहाबाद बैंक से 1 करोड़ और एक्सिस बैंक से 90 लाख रूपये धोखाधड़ी करके निकाल लिये हैं। इस संबंध में अति.उपा.पुलि.आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ श्री मंगेश कश्यप ने बताया कि आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की एंटी फ्रॉड एंड चीटिंग सेक्शन टीम ने जांच के दौरान पाया कि विरेन्द्र कुमार उर्फ मौ0 इलियास, संजय कुमार व सुरजभान नामक तीन व्यक्तियों ने महिला की चैकबुक चुरा कर जाली हस्ताक्षर कर धोखाधडी से अपने खातों में स्थानांतरित करा ली थी। पुलिस टीम को जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि तीनों अभियुक्त पहले भी कई आपराधिक वारदातों में संलिप्त रहे हैं और इस वारदात में सुरजभान नामक अभियुक्त मुख्य षड़यत्रकर्ता रहा है।

बुलंदशहर के बसपा विधायक हाजी अलीम चौधरी की पत्नी रेहाना बेगम की सनसनीखेज हत्या का पर्दाफाश

उतर–पूर्वी जिला के **अति0उपा0पुलिस श्री आर.एस.सागर के नेतृत्व में एसीपी सुश्री उर्विजा गोयल, एसीपी श्री आर.पी.त्यागी, इंस्पेक्टर विजय कुमार कटारिया, इंस्पेक्टर मनमोहन कुमार, इंस्पेक्टर जयभगवान, इंस्पेक्टर किरणपाल राणा, इंस्पेक्टर वेद सिंह मलिक तथा इंस्पेक्टर विजय पाल सिंह** की टीम ने थाना वेलकम स्थित न्यू जाफराबाद इलाके में 9 अक्तूबर, 2013 को हुई एक बसपा विधायक हाजी अलीम चौधरी की पत्नी रेहाना बेगम (42) के संदिग्ध और सनसनीखेज हत्याकांड का पर्दाफाश करने में शानदार सफलता पायी है। पुलिस टीम ने इस हत्याकांड में मोहम्मद नदीम नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है जबकि मृतक महिला के पति की पहली पत्नी के दो पुत्रों दानिश और अनस की तलाश कर रही है। जिन्हें पुलिस टीम अतिशीघ्र गिरफ्तार करने में सफल होगी। पुलिस टीम द्वारा जांच के दौरान पता चला कि पारिवारिक सम्पति विवाद और पहली पत्नी की अवहेलना करने को लेकर हुई इस हत्या में महिला को चाकूओं से गोदने के अलावा गोली भी मारी गई है। अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री वी.वी. चौधरी ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के बारे में विस्तार से बताया कि हत्या के तत्काल बाद अनुभवी पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व कई पुलिस टीमों का गठन कर मामले को सुलझाने के लिए सतत् प्रयास शुरू किये। जिसमें पुलिस टीम अपनी कार्यवाही में तत्परता, कठिन परिश्रम और इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की मदद से शीघ्र ही अभियुक्त तक पहुंचने में सफल हुई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा पुलिस टीम की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

पुलिस टीम ने पकड़े थे लुटेरे पूछताछ पर खुलासा हुआ ऑनर किलिंग का

अपराध शाखा के **एसीपी श्री के.पी.एस.मल्होत्रा के निर्देशन में इंस्पैक्टर राजबीर सिंह, एस.आई. ऋषिराम, हैडकां. अजीत सिंह, सुरेन्द्र सिंह व कां0 परवेज आलम** की टीम ने 9 अक्तूबर,13 को दो बदमाशों जहांगीर पुरी निवासी मोहम्मद यासीन व भलस्वा डेयरी निवासी मुन्ने खान को उस समय दबोच लिया था जब ये रात्रि के समय घरों व फैक्ट्रियों से सेंधमारी व लूटपाट करके लूटे गये सामान को बेचने जा रहे थे। इस संबंध में अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) श्री रविन्द्र यादव ने संवाददताओं को बताया कि अपराध शाखा की स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम को सूचना मिली थी कि घरों व फैक्ट्रियों में लूटपाट व सेंधमारी की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाश बुराड़ी चौक पर आयेंगे। सक्रिय पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाही करते हुए दोनों बदमाशों को दबोच लिया। अभियुक्तों की तलाशी लिये जाने पर यासीन नामक बदमाश की जेब से कब्रिस्तान की एक पर्ची निकली। इस पर्ची के बारे में विस्तार से पूछताछ करने पर पता चला कि अभियुक्त यासीन ने अपनी 16 वर्षीय पुत्री के पड़ोस के एक युवक से चलते प्रेम संबंधों के कारण उसकी हत्या कर दी थी।

अच्छी कामयाबी

जुलाई 1995 में घटित हुए बहुचर्चित तंदूर हत्याकांड के अभियुक्त को अधिकतम सजा दिलाने में सफल रही पुलिस

2 जुलाई, 1995 को नई दिल्ली इलाके में घटित हुए बहुचर्चित तंदूर हत्याकांड का पर्दाफाश करने व दोषियों को अधिकतम सजा दिलाने में दिल्ली पुलिस की आधुनिक जॉच पद्धति को सराहा गया। नई दिल्ली जिला पुलिस टीम ने इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए 25 जुलाई, 1995 को मात्र 20/25 दिनों के अंदर आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। जिसकी सुनवाई के दौरान वर्ष 2003 में माननीय ट्रायल कोर्ट ने अभियुक्त सुशील कुमार शर्मा को फांसी की सजा सुनाई। जिसकी बाद में माननीय उच्च न्यायलय द्वारा भी पुष्टि कर दी थी। 8 अक्तूबर, 2013 को माननीय उच्चतम न्यायालय ने अभियुक्त सुशील कुमार की फांसी की सजा को उम्र कैद में तब्दील कर दिया। उस समय के तत्कालीन पुलिस अधिकारियों सयुंक्त पुलिस आयुक्त श्री मैक्सवैल परेरा, उपायुक्त पुलिस डॉ0 आदित्य आर्य, एसीपी श्री अशोक कुमार, थानाध्यक्ष कनाट प्लेस श्री निरंजन सिंह तथा कां0 अब्दुल नज़ीर कुंजुम ने इस मामले को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई। प्रारभिंक स्तर पर कां0 अब्दुल नज़ीर कुंजम ने ही इस मामले का पर्दाफाश किया था। स्मरण दिलाया जाता है कि काग्रेंस के पूर्व नेता सुशील कुमार शर्मा ने अपनी पत्नी नैना साहनी की अपने फ्लैट पर हत्या कर उसके शव को होटल अशोक यात्री निवास के निकट रमदा प्लाजा होटल के बगिया रेस्तंरा के तदूंर में डाल कर जला दिया था। उसी समय थाना कनाट प्लेस में तैनात कां0 अब्दुल नज़ीर कुंजम होमगार्ड चन्द्रपाल के साथ गश्त कर रहा था तो उसने रेस्तंरा के तदूंर से आग की लपटें उठती दिखाई दी। वह तत्काल मौके पर पहुंचा और किसी मानव अंग के जलाने की आशंका को देखते हुए तत्काल मामले की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी। उसी दौरान पता चला कि मुख्य अभियुक्त सुशील कुमार शर्मा अपने मैनेजर केशव के साथ मिलकर अपनी पत्नी नैना साहनी के शव को जला रहा था। मामले की जॉच के दौरान पुलिस टीम ने मुख्य अभियुक्त सुशील कुमार शर्मा को बंगलौर से पकड़ लिया था।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित उच्चतर स्तर परीक्षा में नकल करवाने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड, एस.आई सहित पांच गिरफ्तार

अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) श्री रविन्द्र यादव के मार्ग–दर्शन व उपायुक्त पुलिस (अपराध) कुमार ज्ञानेश के नेतृत्व में एसीपी के.पी.एस. मल्होत्रा, इंस्पेक्टर विजय रस्तोगी, इंस्पेक्टर अरविन्द यादव, एसआई मुकेश कुमार, एसआई ब्रहमदेव,, हैडकां सुभाष, अजीत, सुरेन्द्र, मनीष, प्रदीप, कुलदीप तथा कां0 सतबीर व पुष्पेन्द्र की टीम ने 10 नवम्बर, 2013 को कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित उच्चतम स्तर की परीक्षा का पेपर लीक कराने के आरोप में दिल्ली पुलिस के एक सब–इंस्पेक्टर अजय कुमार सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में श्री यादव ने संवाददाताओं को बताया कि अपराध शाखा की पुलिस टीम पहले ही इस विषय पर गंभीरता से काम कर रही थी कि इसी बीच सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने वाली एसएससी की परीक्षा का पेपर लीक कराने वाले हैं। इसी सिलसिले में पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए लाडपुर रोड दिल्ली पर स्थित एक फार्महाउस पर छापा मार कर पांच लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की। पुलिस टीम ने मौके से बरामद मोबाइल फोनों में चारों सेटों के उत्तरों की सूची सेव (जमा की) थी। गिरफ्तार अभियुक्तों में अधिकांश सरकारी सेवार्थ हैं या अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रहे है। श्री यादव ने कहा कि पिछले दिनों एसएससी परीक्षाओं में धांधली की शिकायते सामने आ रही है। अपराध शाखा अपने स्तर पर इस पर अंकुश लगाने का यथासंभव प्रयास कर रही है। जिसमें परीक्षा प्रकिया में हो रही चूक को भी चिन्हित किये जाने की जरूरत है।

अपराध शाखा ने सीबीआई के नकली संयुक्त निदेशक को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई

अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह के दिशा–निर्देश में और एसीपी श्री होशियार सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर यशपाल सिंह, एसआई राजबीर सिंह, प्रमोद कुमार, हैडकां0 रविन्द्र तथा कां0 राजीव सहरावत की टीम ने अमित अग्रवाल नामक एक व्यक्ति को स्वयं को सीबीआई का संयुक्त निदेशक बतला कर धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस संबंध में अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री रविन्द्र यादव ने संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि धाराप्रवाह अग्रेंजी बोलने और सीबीआई के कई बड़े अधिकारियों के नाम पते जानने व विभाग के तौर–तरीकों की जानकारी रखने वाले इस व्यक्ति ने विदेश व्यापार के अतिरिक्त महानिदेशक को टेलीफोन कर झंडेवालान स्थित एक आयात–निर्यात कंपनी के लाइसेंस का नवीनीकरण करने और रियल एस्टेट से जुड़ी ओमैक्स कंपनी के डीजीएम को रोहतक के दो व्यक्तियों के दो फ्लैटों के सिलसिले में 60 लाख रूपये देकर मामले को निपटाने के लिए कहा था। स्वयं को सीबीआई संयुक्त निदेशक बतलाने वाले अमित अग्रवाल उर्फ गोल्डी नामक इस व्यक्ति ने काम न करने कि स्थिति में उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की धमकी दी थी। विदेश व्यापार के डीजी और ओमैक्सी कंपनी के डीजीएम की शिकायत पर अपराध शाखा ने मामला दर्ज कर जांच की तो चला कि दिल्ली के अस्पतालों में होलसेल में दवाईयॉ सप्लाई करने वाला अमित अग्रवाल नामक व्यक्ति इस प्रकार की धमकियॉ दे रहा है। फर्जी नाम व पते से टेलीफोन लेकर धमकी देने वाले इस अभियुक्त ने काम धंधे में आर्थिक नुकसान होने पर ब्लैकमेल करने का रास्त अख्त्यिार किया बताया गया है।

दर्जनभर संगीन वारदातों में संलिप्त एक लाख का इनामी बदमाश अब्दुल नासिर उर्फ खैबर विशेष प्रकोष्ठ की गिरफ्त में आया

स्पेशल सेल के उपायुक्त पुलिस श्री संजीव यादव के दिशा–निर्देश में सेल की टीम ने हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और दंगा फैलाने जैसी दर्जनभर वारदातों में संलिप्त रहे कुख्यात बदमाश अब्दुल नासिक उर्फ खैबर हयात को दिल्ली के जाफराबाद इलाके से गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता पायी है। पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने इस बदमाश की गिरफ्तारी पर एक लाख रूपये पुरस्कार की घोषणा कर रखी थी। इस बदमाश को पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की कई जिला/यूनिटें पिछले कई महीनों से जुटी हुई थी। स्पेशल सेल की पुलिस टीम ने बुलंदशहर, हापुड़, गाजियाबाद व मुंबई जैसे शहरों में तलाश करते हुए इस बदमाश पर इलैक्ट्रानिंक सर्विलांस भी रखी हुई थी। उसी के माध्यम से ज्ञात हुआ था कि यह अभियुक्त कुछ समय पहले जाफराबाद स्थित अपने घर आया था। उसी क्रम में पुलिस टीम को जानकारी मिली कि अभियुक्त नासिर 2 नवम्बर, 2013 को अपने घर जाने वाला है। पुलिस टीम ने जाल बिछाकर कुख्यात बदमाश नासिर को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता पायी।

अपराध शाखा ने लगभग डेढ़ वर्ष बाद आरूषि का मोबाइल उत्तर प्रदेश से बरामद किया था

15 मई, 2008 की रात नोएडा में हुए बहुचर्चित आरूषि–हेमराज हत्याकांड में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने मृतका आरूषि का मोबाइल फोन 14 सितंबर, 2009 को बुलंदशहर के खुर्जा कस्बे से बरामद कर उसे जॉच एजेंसी सीबीआई को सौंप दिया था।

सेवानिवृत्ति

माह अगस्त, 2013 के दौरान विभिन्न जिला/यूनिटों से 84 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए हैं। इनमें से 14 ने स्वैच्छा से सेवानिवृति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत होने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता है। सेवानिवृत होने वालों में शामिल हैं:–एसआई कृष्ण कुमार, एसआई महेन्द्र सिंह, एसआई धर्मबीर सिंह, एसआई बलवंत सिह, एएसआई ओमप्रकाश, एएसआई जमालूद्दीन, एएसआई मांगेराम, एएसआई अभयराम, हैडकां0 प्रेम सिंह, हैडकां0 विरेन्द्र सिंह तथा कां0 दिनेश सिंह (पीसीआर), एसआई रामकिशन (राष्ट्रपति भवन), एसआई जगदीश प्रसाद, एएसआई नन्द किशोर राय, हैडकां. हरी सिंह, कुक हरीसिंह (नई दिल्ली जिला), एसआई बलबीर सिंह व एसआई सत्यवीर सिंह (प्रथम वाहिनी), एएसआई रघुवीर सिंह (तृतीय वाहिनी), इंस्पेक्टर ब्रहम प्रकाश एसआई निहाल चंद, एसआई राधेश्याम, एसआई उदय सिंह, एएसआई जगत सिंह, एएसआई जगमाल सिंह, कां0 ओमबीर सिंह, कां जय राजन ए.के.,कां0 बनबीर सिंह व कुक प्रताप सिंह (दक्षिणी जिला), एसआई सतेन्द्र मोहन, हैडकां0 सुमेर सिंह, कां0 चावन रविन्द्रन पुंजनरम (उतरी जिला), एसआई रोहताश सिंह, हैडकां0 नवाब अहमद खान, कां0 अब्दुल रशीद पी.के. (दक्षिण–पूर्वी जिला), हैडकां0 विरेन्द्र सिंह (अपराध शाखा), एसआई जगन्ननाथ व हैडकां0 सुमन लाल यादव (पश्चिमी जिला), एसआई अशोक कुमार, हैडकां0 राजेन्द्र सिंह व कां0 त्रिलोक सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला) एएसआई जागेराम यादव (महिला अपराध निरोधक प्रकोष्ठ), एसआई गोपाल कृष्ण नायर वी.एम तथा एसआई विशनचंद जैन (संचार शाखा) एसआई महेन्द्र सिंह, कां0 शमशेर सिहं (पीटीसी), एसआई जयप्रकाश, एएसआई धर्मबीर सिंह व हैडकां. सुरेन्द्र सिंह (उतर–पूर्वी जिला), इंस्पेक्टर पुटरस कजूंर, एएसआई जयभगवान (एफआरआरओ), एसआई नाहर सिंह, एसआई मंगतराम, एएसआई सूरजभान, हैडकां महासिंह (उतर–पश्चिमी जिला), एसआई मोहम्मद अशफाक खान, एएसआई राजबीर सिंह (विशेष शाखा), एसआई आशाराम, हैडकां0 अशोक कुमार (पूर्वी जिला), हैडकां0 यतेन्द्र (सातवीं वाहिनी), एसआई लख्मींचंद एमटीएस बलदेव (पीएंडएल), एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई कुलदीप सिंह, एसआई श्याम सुन्दर, कां0 संजय कुमार (यातायात), एसआई जयप्रकाश, एसआई रमेशचंद, एसआई मानसिंह ,एसआई रामफल, एसआई बलबीर सिंह, हैडाक0 रविन्द्र सिंह, हैडकां0 गिरराज सिंह, हैडकां0 श्यामबीर सिंह (सुरक्षा), एसआई सुगन लाल, एसआई रणधीर, एसआई पदमाबन ई.जी., एएसआई दयानन्द (बाहरी जिला)।

सितम्बर माह के दौरान 50 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए जिनमें से 13 पुलिसकर्मियों से स्वैच्छिक सेवानिवृति ली है। एसआई विजय प्रकाश ध्यानी (पुलिस मुख्यालय), हैडकां0 राजेन्द्र सिंह व कां0 धनवीर सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एसआई परमजीत सिंह, एएसआई रेवती प्रसाद व हैडकां0 रामफल (दक्षिणी जिला), कुक जसवंत सिंह (चतुर्थ वाहिनी), एसआई महेश (राष्ट्रपति भवन), एएसआई किशन सिंह (उतर–पूर्वी जिला), एसआई गुलाम मोहम्मद, हैडकां0 चरण सिंह तथा हैडकां0 सरबजीत सिंह (संचार शाखा), एसआई राजेन्द्र सिंह व एसआई सतबीर सिंह (एफ.आर.आर.ओ), एसआई रमल सिंह व एएसआई राजपाल सिंह (उतरी जिला), एएसआई मवासी राम व एएसआई ललित कुमार (पश्चिमी जिला), एएसआई किशन सिंह (महिला अपराध निरोधक शाखा), इंस्पैक्टर रमेशचन्द्र जैन (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एसआई केदार सिंह व एसआई राजेन्द्र सिंह (प्रथम वाहिनी), एसआई सुदर्शन सिंह व एसआई हरिराम (एसबी), इंस्पेक्टर छबि लाल व कां0 रामबीर सिंह (उतर–पश्चिमी जिला), एसआई नफे सिंह, एसआई बाल किशन व एएसआई ओमप्रकाश (बाहरी जिला), एसआई सुखबीर सिंह, एसआई भगत सिंह,एएसआई मनवीर सिंह हैडकां0 शिशुपतन.के तथा हैडकां0 सुरेश सिंह (सुरक्षा) हैडकां0 नरेन्द्र कुमार (सातवीं वाहिनी) एसआई जयपाल सिंह (यातायात), कां0 नेकपाल सिंह (पूर्वी जिला), हैडकां0 हरनारायण (डीईसेल), एसआई राधे (तृतीय वाहिनी), एसआई नटराजन, एसआई बलवान सिंह, एएसआई सुरजीत सिंह व हैडकां0 इन्द्रपाल सिंह (पीसीआर) तथा एसआई दिनेश दत्त (नई दिल्ली जिला)

एसआई राजकुमारी को नाज़ है अपनी सुपुत्री हिमानी सिंह की सफलता पर



लैफ्टिनेंट हिमानी सिंह

समाज की हर पुरानी कुरितियों एवं बेड़ियों को तोड़ कर सर्वागींण विकास की तरफ अग्रसर छात्राऐं आजकल हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। दिल्ली पुलिस परिवार से भी जुड़े बहुतेरे बच्चों ने आईआईटी, सिविल सर्विसेज़, डॉक्टर व नासा जैसे संगठनों में प्रवेश लेकर सिद्ध किया है कि पुलिसकर्मी भी अपने बच्चों के सर्वागींण विकास एवं उज्ज़वल भविष्य के प्रति गंभीर रहते हैं। इसी क्रम में प्रथम वाहिनी भर्ती कार्यालय में तैनात एसआई राजकुमारी की सुपुत्री हिमानी सिंह ने सेना परिचायिका सेवा (लैफ्टिनेंट नर्सिंग ऑफिसर) का चार वर्षीय डिग्री कोर्स कुशलतापूर्वक पूरा करके पूर्वी क्षेत्र के कमांड अस्पताल, कोलकता में अपनी सेवा शुरू की है। आर्म्ड फोर्सेज़ मेडिकल कॉलेज, पुणे द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर हिमानी सिंह ने चार वर्षीय प्रशिक्षण अक्तूबर, 2013 में पूरा किया था। 12वीं कक्षा में शानदार अंक प्राप्त करने वाली हिमानी सिंह अपने विद्यालय की खेल–कूद, सांस्कृतिक एवं वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में हमेंशा बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेती रही थी। विद्यालय में अनुशासन, सौम्य व्यवहार व पढ़ाई के प्रति गंभीर रहने वाली हिमानी सिंह सदैव अपने शिक्षिकों के बीच एक प्रिय छात्रा के रूप में जानी जाती रही है।

एस.आई ऐ.के.मिश्रा के सुपुत्र हेमंत मिश्रा ने मेडिकल के क्षेत्र में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया



नई दिल्ली जिला में तैनात एसआई ऐ.के.मिश्रा के सुपुत्र हेमंत कुमार मिश्रा ने मीनासोटा यूनिवर्सिटी (यू.एस) द्वारा आयोजित एक रिसर्च कार्यशाला में विशेष स्थान प्राप्त कर न केवल अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया है बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है। विलक्षण प्रतिभा के धनी हेमंत मिश्रा को एम्स (दिल्ली) से मेडिसन में पी.एच.डी. करने के दौरान भी निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया था। चित्र में यूनिवर्सिटी के पदाधिकारियों एवं पुरस्कार विजेताओं के साथ बायें से तीसरे स्थान पर हेमंत मिश्रा।

काम के प्रति सच्ची लगन सफलता जरूर दिलाती है



कां0 राजीव कुमार डबास

दिल्ली पुलिस के कां0 राजीव कुमार डबास ने समय की कमी और आर्थिक अभावों के चलते भी निशानेबाजी की प्रतियोगिताओं में दो पदक जीत कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रारम्भ से निशानेबाजी के शौकिन रहे कां0 राजीव डबास विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित शूटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे थे। परन्तु आर्थिक अभावों के चलते अपनी खुद की बंदूक और गोलियॉ खरीदने में असमर्थ रहते थे। परंतु हर विषम परिस्थिति में अपने अभ्यास को जारी रखा। वर्तमान में विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री दीपक मिश्रा के कार्यालय में चालक पद पर तैनात राजीव डबास ने पुलिस खेलों के दौरान निशानेबाजी की कई बारीकियों को सीखा और अभ्यास को आगे बढ़ाया। 27 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2013 के बीच कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित प्रतियोगिताओं में 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य और 25 मीटर सेंटर रेंज फायर प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर यह दर्शाया है कि सच्ची लगन कभी भी निष्फल नहीं होती।

31 अक्टूबर व 30 नवम्बर, 2013 को सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त


एसीपी श्री सत्यदेव अहलावत


एसीपी श्री वी.के. धाम


एसीपी श्री भीमसेन


एसीपी श्री जसपाल सिंह


एसीपी श्री बुद्धि प्रकाश


एसीपी श्री सतबीर सिंह


एसीपी श्री अतर सिंह



एसीपी श्रीमती अचल रामपाल

सर्वश्रेष्ठ बीट है.कांस्टेबल/कांस्टेबल


है.कां. लक्ष्मी नारायण
(पश्चिमी जिला)


कां. प्रेमवीर सिंह
(पश्चिमी जिला)


कां. जतिन सिंह
(उत्तरी जिला)


कां. दिनेश कुमार
(उत्तरी जिला)

सर्वश्रेष्ठ टर्नआउट कांस्टेबल


कां. राहुल कुमार
द्वितीय वाहिनी


कां. पृथ्वी सिंह
सातवीं वाहिनी


कां. मनोज कुमार
(प्रथम वाहिनी)

33 वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली पुलिस की गतिविधियों पर एक झलक









श्रद्धांजलि

सितम्बर माह के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 15 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान विभिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई । असमय बिछुड़ गए अपने इन दिवंगत साथियों के प्रति पुलिस परिवार श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके आश्रितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है। दिवंगत साथियों में शामिल हैं :–एसआई अतर सिंह कां0 धमेन्द्र कुमार व कां0 सुभाष चन्द्र (उत्तरी जिला), एसआई प्रेम सिंह, हैडकां0 रमेशचन्द्र मीणा व कां0 बलजीत सिंह (पीसीआर), हैडकां0 संतोष (राष्ट्रपति भवन), हैडकां0 श्री भगवान व हैडकां0 ओमबीर सिंह (दक्षिणी जिला), हैडकां0 सतीश कुमार (दक्षिण–पूर्वी जिला), एएसआई जगतनारायण व हैडकां0 नरेश कुमार (दक्षिण–पश्चिमी जिला), हैडकां0 जितेन्द्र सिंह राणा व कां0 लेखराज (तृतीय वाहिनी) व कां0 रामकुमार (प्रथम वाहिनी)। **अक्तूबर माह के दौरान दिवंगत पुलिसकर्मी**:– एसीपी श्री पुष्कल शर्मा एएसआई राजपाल सिंह तथा एएसआई रणबीर सिंह (पीसीआर), एसआई उबईदुर रहमान (विशेष शाखा) हैडकां0 राजकुमार तथा कां0 मेहरचंद (बाहरी जिला), हैडकां0 सुख बहादुर तथा कां0 धर्मबीर (सुरक्षा), हैडकां0 महाबीर सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), कां0 गुरमीत सिंह (चतुर्थ वाहिनी), कां0 कृष्ण कुमार (सातवीं वाहिनी) तथा कां0 जितेन्द्र पौर (पूर्वी जिला)



फ्रांस की मिनिस्टर ऑफ वूमेंस डिवलपमेंट के
नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस मुख्यालय का दौरा किया



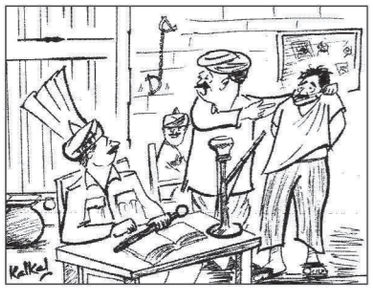




दिल्ली पुलिस कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती सुनीरा बस्सी ने 20 नवम्बर 2013 को नई पुलिस लाईन कैम्प में एक फ्री डेन्टल चैक-अप कैम्प का उद्घाटन किया। पुलिस कर्मियों के अलावा आस-पास के पुलिस कॉलोनियों में रहने वाले पुलिस परिवार के सदस्यों ने भी इस कैम्प का भरपूर लाभ उठाया।

इतिहास के पन्नों से

एक हुक्का चोरी



मुकदमा सं. 6/39, धारा 379 भा.दं.सं. दिनांक 20/09/1898 थाना नांगलोई

संक्षिप्त तथ्य : बदलु वल्द श्री दाना जाट, निवासी मुंडका ने थाना में आकर बयान किया कि वह चौपाल में चारपाई पर लेटा हुआ था। मुल्जिम हरनाम आया और उसका हुक्का उठाकर भागने लगा। जिसे 500 कदम की दूरी पर पकड़ लिया गया। हरनाम ने थाना में कहा कि उसे माफ कर दो उस वक्त उसका दिमाग खराब हो गया था।

नतीजा : दो सप्ताह का कठोर दण्ड दिनांक (27.09.1898)

कलकल

सम्पादकः जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस राजन भगत एवं सह-सम्पादकः उप-नि. सतबीर सिंह। पुलिस मुख्यालय नई दिल्ली